डॉ० कविता कुमारी सिंह

हिन्दी विभाग
आर० एन० कॉलेज, हाजीपुर

B.A, Part III
विषय - भाषा उत्पत्ति प्रमुख सिद्धान्त

(5) आवेग सिद्धान्त — इस सिद्धान्त के अनुसार भाषा की उत्पत्ति मनुष्य के स्वाभाविक सहज उद्गारों से हुई है। हम हर्ष, शोक, विस्मय आदि के समय वाह-वाह, हाय-हाय, अरे आदि शब्द व्यक्त करते हैं। ये आवेगात्मक ध्वनियाँ हैं और धीरे-धीरे इन्हीं से भाषा की उत्पत्ति हुई है।

लेकिन यह सिद्धान्त पूर्ण वैज्ञानिक नहीं है। आवेग सिद्धान्त की कुछ त्रुटियाँ हैं, जैसे आवेग या मनोवेग मनुष्य के सहज रूप में अभिव्यक्ति नहीं कर पाता। भाषा को यदि सम्प्रेषण का माध्यम माना गया है तो उसमें बहुत सारी बातें ऐसी हैं, जिसमें सहज अभिव्यक्ति

ments

अपेक्षा होती है, यदि किसी विचार को संप्रेषित करने की आवश्यकता है, तो आवेग सिद्धान्त वहाँ सार्थक नहीं बन सकता। इसलिए इस सिद्धान्त की अपनी सीमा रेखा है और आवेगात्मक ध्वनियाँ ही किसी भाषा की सम्पूर्ण विशेषता मानक नहीं हो सकती।

श्रमपरिहरणमूलकता वाद (यो-हे-हो सिद्धान्त)

श्रम परिहार के लिए सड़क बनाने वाले मजदूर बढ़ई, मल्लाह आदि कुछ ध्वनियाँ मुख से निकालते हैं। इस सिद्धान्त के अनुसार भाषा की उत्पत्ति इन्हीं ध्वनियों से हुई। लेकिन इस तरह की शब्दावलियों की बहुत कम है। भाषा की समृद्धि के लिए महत्व हो सकता है, भाषा की उत्पत्ति तर्कसंगत नहीं लगता है।

सामाजिक समझौते का सिद्धान्त — हाब्स, लॉक, रूसो का विचार है कि जब समुदाय

DECE[illegible]
Appointments

का काम संकेतों से नहीं चल पाया तो उस
मिलजुल-कर समझौते के द्वारा भाषा का ज
हो गया।

लेकिन प्रश्न यह उठता है कि
केवल संकेत से काम चल रहा था, भाषा
थी, तो समझौते के समय किस भाषा के
से विचार-विनिमय हुआ और एक निश्च
गया। समझौते के लिए एक भाषा का
जरूरी है। अतः यह सिद्धान्त भी वैज्ञानिक
लगता है।

(8) विकास का सिद्धान्त — इस सिद्धान्त के
भाषा विकास का परिणाम है। मनुष्य ने
सोचना शुरू किया होगा, उसी समय
का जन्म हुआ होगा और धीरे-धीरे
होकर भाषा समृद्ध हुई। मानव की आवश्
के विकास और विस्तार के साथ-साथ
विकसित हुई। यह सिद्धान्त अधिक

वैज्ञानिक है। भाषा जैसी चीज को स्वीकार ...
वैज्ञानिक है। भाषा जैसी चीज को ...
व्युत्पन्न अथवा अन्य शब्दों से निर्मित
मानने के बजाय विकासवाद को मानना अधिक
तर्कसंगत है।

विकासवाद सर्वाधिक वैज्ञानिक है — आज
प्रत्येक क्षेत्र में विकासवाद का बोलबाला है। भाषा
का विकास भी उसी की एक कड़ी है। यह सत्य
है कि भाषा का वह प्रारम्भिक स्वरूप अभी
प्राप्त नहीं हुआ है, जिसके विकास की श्रृंखला
दिखलाई जाय।

भाषा का विकास आज भी हो रहा है
और आज का विकास यह साबित करता है कि
आदिम-युग में भी भाषा के विकास का क्रम चलता
सृष्टि के विकास में विकासवाद का सिद्धान्त ...
... हो चुका है। 'हेनरी स्वीट ने भाषा की
... ति संबंधी समस्या का सिद्धान्त भी विकासवा...
आधार पर किया।

हम कह सकते हैं कि विकासवाद भाषो...
...र्वाधिक तार्किक और वैज्ञानिक सिद्धान्त है।